पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- जून, 2024

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:
   अनुलग्नक-I में दी गई हैं।
2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत मामले आदि**:
   शून्य।
3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित "अभियोजन के लिए स्वीकृति" के मामले**:
   शून्य।
4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:
   शून्य
5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
   विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में अप्रैल, 2024 के महीने के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।
6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
   मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। 26 दिसंबर, 2023 को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद के संगम ज्ञापन तथा नियम-विनियम के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार के तहत सोसायटी के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अम्ब्रेला स्वायत्तशासी सोसायटी 'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद' का पंजीकरण कर दिया गया है।
7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
   समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।
8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**
   इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति (एसीसी) के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली (एवीएमएस) पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।
9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**:
   इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।
10. **माह के दौरान पास कर दिए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** :
    लागू नहीं।

****

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- डॉ. जितेंद्र सिंह ने 11 जून 2024 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का पदभार ग्रहण किया।
- 15 जून 2024 को, माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंत्रालय में एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें मंत्रालय के 100 दिन, 5 वर्ष और 2047 तक के लक्ष्यों पर रणनीतिक योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री, श्री भजन लाल जी शर्मा द्वारा जयपुर, राजस्थान के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी और निर्णय सहायता प्रणाली का शुभारंभ किया गया।
- राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र ने तमिलनाडु के लिए तटरेखा प्रबंधन योजना तैयार की तथा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग, तमिलनाडु को मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र और रिलायंस फाउंडेशन ने तटीय समुदायों को समुद्र विज्ञान संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी और उपकरणों से सशक्त बनाने के लिए 27 मई 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य समुद्र पर निर्भर लोगों की सुरक्षा, आजीविका और तन्यकता बढ़ाना है।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ईमेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षण का प्रकार	**अब तक चालू किए गए**	**महीने के दौरान स्थापित।**	**डेटा रिपोर्टिंग।**
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	721*	--	721
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	500**	--	500
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	183
ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) सोंडे आधारित रेडियो सोंडे (आरएस)/रेडियो विंड (आरडब्ल्यू) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	41***	--	32
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02

सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	09	--	05
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च) (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	10 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	4779
विमानन	108	--	108
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 287 पुराने हैं।
** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 882 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।
****फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक मौसम केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 27 जून, 2024 को जुलाई, 2024 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी प्रयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (जून 2024)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

12-20 जून 2024 के दौरान पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालय पश्चिम बंगाल में अत्यधिक भारी वर्षा हुई जिसके कारण इन क्षेत्रों में बाढ़ आई।

पश्चिमी विक्षोभ(WD):
3 उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ (5-10, 19-25 और 26-28 जून को) देखे गए।

लू:
उत्तर और आसपास के मध्य और पूर्वी भारत, जिनमें पश्चिमी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार और ओडिशा के क्षेत्र शामिल है, में 10-18 दिन लू चली।

ख) वर्षा परिदृश्य:
जून-2024 के महीने में पूरे देश में 147.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो 165.3 मिमी की दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 89% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	**भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 306**
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे	80
दिन 2/48 घंटे	78
दिन 3/72 घंटे	78

घ) तापमान परिदृश्य:
जून 2024 के दौरान पूरे भारत में औसत तापमान 30.55 डिग्री सेल्सियस था, जो 1901 के बाद से 8वां सबसे अधिक तापमान था। इस महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 16 और 17 जून 2024 को प्रयागराज (पूर्वी उत्तर प्रदेश) में अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और 17 जून 2024 को बलसाड़ (गुजरात क्षेत्र) में न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ङ) गरज और ओलावृष्टि गतिविधि:
माह के दौरान (माह की अंतिम तारीख को भारतीय मानक समय 08:30 तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे तालिका में दी गई है:

क्र.सं.	**मौसम उप प्रभाग**	**गर्ज के साथ तूफान वाले दिन**	**ओलावृष्टि की घटनाएं**	**गरजने की घटनाएँ**	**धूल भरी आंधी**
1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	6	0	0	0
2.	अरुणाचल प्रदेश	8	0	0	0
3.	असम एवं मेघालय	29	0	0	0
4.	नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम एवं त्रिपुरा	27	0	0	0
5.	उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम	24	0	0	0
6.	गंगेय पश्चिम बंगाल	16	0	0	0
7.	ओडिशा	24	0	0	0
8.	झारखंड	16	0	0	0
9.	बिहार	13	0	0	0

क्र.सं.	मौसम उप प्रभाग	गर्ज के साथ तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएं	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आंधी
10.	पूर्वी उत्तर प्रदेश	16	1	0	0
11.	पश्चिमी उत्तर प्रदेश	18	1	0	0
12.	उत्तराखण्ड	13	4	0	0
13.	हरियाणा चंडीगढ़ एवं दिल्ली	14	0	0	0
14.	पंजाब	10	1	0	0
15.	हिमाचल प्रदेश	20	3	0	0
16.	जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख	27	5	0	0
17.	पश्चिमी राजस्थान	18	0	0	2
18.	पूर्वी राजस्थान	21	0	0	1
19.	पश्चिमी मध्य प्रदेश	28	2	0	0
20.	पूर्वी मध्य प्रदेश	29	3	0	0
21.	गुजरात क्षेत्र	13	0	0	0
22.	सौराष्ट्र एवं कच्छ	12	0	0	0
23.	कोंकण एवं गोवा	21	0	0	0
24.	मध्य महाराष्ट्र	20	0	0	0
25.	मराठवाड़ा	11	0	0	0
26.	विदर्भ	24	0	0	0
27.	छत्तीसगढ़	30	0	0	0
28.	तटीय आंध्र प्रदेश एवं यनम	28	0	0	0
29.	तेलंगाना	25	0	0	0
30.	रायलसीमा	23	0	0	0
31.	तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, एवं कराईकल	21	0	0	0
32.	तटीय कर्नाटक	19	0	0	0
33.	उत्तरी आंतरिक कर्नाटक	19	0	0	0
34.	दक्षिण आंतरिक कर्नाटक	17	0	0	0
35.	केरल एवं माहे	23	0	0	0
36.	लक्षद्वीप	1	0	0	0

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारत मौसम बुलेटिन: 120; अखिल भारत में प्रतिकूल मौसम अनुमान और चेतावनियां: 120; अखिल भारत साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट: 4; अगले 5 दिनों तक साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक: 30 ; अगले 2 सप्ताह के लिए साइक्लोजेनेसिस के लिए साप्ताहिक विस्तारित अवधि आउटलुक: 4, उत्तरी हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनी: 60, अगले 12घंटों के लिए भारतीय सेना हेतु फ्लिट पूर्वानुमान: 60 अगले 36 घंटों के लिए वैश्विक समुद्री संकट सुरक्षा प्रणाली के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए बुलेटिन: 60 , प्रतिकूल मौसम के लिए तत्काल पूर्वानुमान दिशानिर्देश

बुलेटिन: 30, FDP स्टॉर्म बुलेटिन : 30, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए जारी किए गए पर्वतीय मौसम बुलेटिन: 60, भारतीय सेना द्वारा फचुकांडी शिखर अभियान के लिए जारी अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन: 1, एनडीआरएफ द्वारा माउंट मणिरंग शिखर अभियान के लिए जारी अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन: 11, उत्तर भारत के लिए अखिल भारतीय बहु-संकट शीतकालीन मौसम चेतावनी बुलेटिन: 30, वर्तमान तापमान स्थिति और लू चेतावनी बुलेटिन: 30, महीने के दौरान जारी प्रेस विज्ञप्तियां: 36

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें:

1. जून 2024 के महीने के लिए अल नीनो/दक्षिणी दोलन (ENSO) बुलेटिन और जून से सितंबर 2024 की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए ऋतुनिष्ठ जलवायु आउटलुक जारी किए गए। (क्लिकलिंक:https://imdpune.gov.in/cmpg/Product/ENSO_Bulletin/ENSO_IOD_Update_Bulletin_05_24.pdf)
2. मई 2024 महीने के लिए जलवायु सारांश जारी किया गया।
3. रायपुर एयरपोर्ट (आरडब्ल्यूवाई 24) पर 20.05.2024 से 17.06.2024 के दौरान दृष्टि ट्रांसमिसोमीटर, डीसीडब्ल्यूआईएस और पीडब्ल्यूडी सिस्टम स्थापित किए गए।
4. मार्च और अप्रैल 2024 के लिए 'क्लाइमेट डायग्नोस्टिक्स बुलेटिन' प्रकाशित किया गया है और वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।
5. 400 एडब्ल्यूएस परियोजना के तहत 200 एडब्ल्यूएस स्थापित किए गए हैं।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपी केन्द्र	156	132

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:
भारतीय क्षेत्र में 92 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 5 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।

सुनामी**:**
इस माह के दौरान सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाला कोई समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता वाला) नहीं आया।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	माह के दौरान तक आरंभ किये गये	माह के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स	118	75
मूरेड उत्प्लव	19	11
टाइड गॉज	36	32
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	7
एकॉस्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	4
वेव राइडर बुयो	16	9

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिका।	16
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	1
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF)-लहर, पवन, धाराएं, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	11

आउटरीच एवं जागरुकता

- एनसीसीआर, चेन्नई द्वारा तमिलनाडु के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के समक्ष तमिलनाडु के लिए तटरेखा प्रबंधन योजना का मसौदा प्रस्तुत किया गया।
- राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (NCCR) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉटर रिसर्च (NIVA), नॉर्वे ने 21 जून 2024 को "सीग्रास रिस्टोरेशन" पर एक हाइब्रिड कार्यशाला आयोजित की।
- भारतीय ऊष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे, भारत में दिनांक 02-07 जून 2024 के दौरान स्ट्रैटोस्फेयर-ट्रॉपोस्फेयर इंटरैक्शन एंड प्रिडिक्शन ऑफ मानसून वेदर एक्सट्रीम्स (STIPMEX) पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- आईआईटीएम, पुणे में दिनांक 25 से 27 जून 2024 के दौरान कार्बन जनक एरोसोल का जलवायु प्रभाव तथा मॉडलिंग (NT_CCAM-2) पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किए गए।
- देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए थे।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनी फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब समेत सोशल मीडिया एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।
- इंकॉइस में दिनांक 28-30 मई 2024 के दौरान पीपुल-सेंटर्ड अर्ली वॉर्निंग फॉर दि इंडियन कोस्टलाइन्स (PCTWIN) आरंभ तथा प्रथम हितधारक बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह इंकॉइस-पृथ्वी विज्ञान

मंत्रालय और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन (UCL), यूके की एक संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के समुद्री तटों के लिए सुनामी पूर्व चेतावनी प्रणालियों को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।
- RIMES-साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम के हिस्से के रूप में आईटीसीओओ/इंकॉइस में (दिनांक 20-24 मई 2024 के दौरान) "महासागर पूर्वानुमान उत्पादों का अनुकूलन" पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। महासागर आपदाओं से तटीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्नत महासागर पूर्वानुमान टूल्स और तकनीकों को सीखने के लिए ग्यारह (11) प्रतिभागियों ने उपस्थिति दर्ज की। प्रशिक्षुओं ने इंकॉइस में उन्नत महासागर पूर्वानुमान तकनीकों का ज्ञान भी प्राप्त किया और आपदाओं से तटीय समुदायों की सुरक्षा में संस्थान द्वारा निर्वहन की जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी जानकारी पाई।
- हिंद महासागर सुनामी चेतावनी और शमन प्रणाली के हिस्से के रूप में इंकॉइस ने दिनांक 12 जून 2024 को 27वें ICG/IOTWMS कम्युनिकेशन में भाग लिया और सुनामी सेवा प्रदाता (TSP) के रूप में 26 हिंद महासागर रिम देशों को टेस्ट बुलेटिन जारी किए।
- इंकॉइस ने निम्नलिखित चेतावनियां जारी की:
    - INCOIS द्वारा विकसित एक नए संभाव्य मशीन लर्निंग मॉडल के आधार पर दिनांक 05 जून 2024 से मासिक एल नीनो दक्षिणी दोलन (ENSO) पूर्वानुमान बुलेटिन। अगले 1-2 महीनों में एल नीनो से ला नीना तक के पूर्वानुमान की घोषणा की गई। (https://incois.gov.in/documents/climateindices/ENSO_Outlook2024_May24IC.pdf). इसने जुलाई तक ला नीना की उच्च संभावना (70-90%) का पूर्वानुमान किया गया, जिसके फरवरी 2025 (50-70%) तक बने रहने की संभावना है, जिससे वैश्विक मौसम प्रभावित हो सकता है।
    - भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट, अंडमान एवं निकोबार दीपसमूहों के लिए नवासी (89) ऊंची लहर / महातरंग महोर्मि चेतावनी / अशांत सागर चेतावनी जारी की गई थीं।
    - हिंद महासागर के लिए (i) संख्यात्मक समुद्री पवन पूर्वानुमान (पवन और भंवर) और (ii) वैश्विक संख्यात्मक समुद्री पूर्वानुमान (धारा, सामान्य तापमान और निरपेक्ष लवणता) के लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान केंद्र (RSMC) के रूप में तीस (30) दिनों का पूर्वानुमान जारी किए।
    - प्रशांत द्वीप के देशों (PIC) और कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (CSC) को इकतीस (31) दिनों की महासागरीय स्थिति पूर्वानुमान जारी किए गए।
    - इंकॉइस ने साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF), जिसका प्रशासन RIMES द्वारा किया जाता है, के लिए साप्ताहिक अपडेट्स प्रदान किए, जिसमें हिंद महासागर की समुद्री स्थिति के संबंध में विगत सप्ताह की ब्रीफिंग तथा आगामी सप्ताह में पूर्वानुमान की जानकारी (लहर, पवन, धारा, तरंग, समुद्री सतह का तापमान) शामिल हैं।

- इकतीस (31) दिनों की ऐल्गल ब्लूम सूचना सेवा जारी की गई तथा कोई अलर्ट सृजित नहीं किया गया ।
- इंकॉइस की वेबसाइट पर यह विकल्प है कि वहां पर पंजीकरण करके पूर्वानुमान समेत शिपिंग मार्ग के ऑनलाइन एप्लिकेशन का प्रयोग किया जा सकता है, साथ ही वहां सर्च एंड रेस्क्यू ऐड टूल (SARAT) परामर्शिकाएं भी देखी जा सकती हैं। पूर्वानुमान समेत शिप मार्ग हेतु इस माह पंजीकृत उपयोगकर्ता की संख्या - तीन (3) तथा SARAT (7) है।
- तेल खोजने के लिए ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ONGC) की सहायता करने वाली फर्म मेसर्स मैकडरमॉट को उनकी रिग लोकेशन में वायु एवं तरंग मापदण्डों संबंधी समुद्री दशा पूर्वानुमान (OSF) परामर्श सेवाएं प्रदान की।

- दिनांक 10 जून 2024 को, डॉ. श्रीनिवास कुमार टी (निदेशक, इंकॉइस) की सह-अध्यक्षता वाले कार्य समूह द्वारा तैयार किए गए यूएन महासागर दशक विजन 2030 चुनौती 6 श्वेत पत्र 'महासागरीय खतरों के प्रति सामुदायिक सुदृढ़ता में वद्धि' प्रकाशित किया गया: https://unesdoc.unesco.org/ark:/48223/pf0000390122/PDF/390122eng.pdf.multi.
- विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2024) की पूर्व संध्या पर, हैदराबाद के केयर एंड लव अनाथालय के बीस (20) युवा छात्रों ने इंकॉइस का दौरा किया और हमारी अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में महासागर विज्ञान संबंधी जानकारी पायी। इस बारे में ज्ञान प्राप्त किया कि इंकॉइस महासागर सेवाओं और समुद्री आपदाओं की पूर्व चेतावनियों के माध्यम से तटीय समुदायों की कैसे सहायता करता है। इन युवाओं ने वैज्ञानिकों से विचारोत्तेजक प्रश्न करते हुए जुड़ावपूर्ण संवाद किया। यह विज्ञान सीखने में युवाओं की प्रेरणादायक जिज्ञासा को दर्शाता है।
- दिनांक 11 जून 2024 को एनआईआरडीपीआर (मालदीव गणराज्य के एलजीए के अधिकारी) के तीस (30) प्रशिक्षु अधिकारियों ने इंकॉइस का दौरा किया और महासागर सेवाएं प्रदान करने में उपयोग की जाने वाली अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी को देखा और बहुमूल्य ज्ञान का आदान-प्रदान किया।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (GSTI), हैदराबाद के बीस (20) से अधिक प्रशिक्षुओं ने 19 जून 2024 को इंकॉइस का दौरा किया और अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं को देखा। वहां उन्हें यह भी जानने को मिला कि कि इंकॉइस महासागर सेवाओं और समुद्री आपदाओं की पूर्व चेतावनियों के माध्यम से तटीय समुदायों की कैसे सहायता करता है।
- आईटीसीओओ, इंकॉइस द्वारा दिनांक 19-21 जून 2024 के दौरान 'महासागर प्रेक्षण प्रणाली और महासागर डेटा उपयोग' पर तीन दिवसीय (3) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। सीएएस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के छात्रों ने विभिन्न महासागर प्रेक्षण प्रणालियों को सीखने और महासागर डेटा प्रबंधन पर समृद्ध शिक्षण अनुभव सुनिश्चित करने के लिए भाग लिया। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को इंकॉइस द्वारा प्रदान की जाने वाली समुद्री सेवाओं की जानकारी दी गई, उन्होंने SynOPS का दौरा किया, ग्राउंड

स्टेशनों का दौरा किया, और डिजिटल महासागर मंच पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, जिससे समुद्र विज्ञान संबंधी डेटा उपयोग में उनकी समझ और कौशल में वृद्धि हुई।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल - मई 2024	जून 2024	कुल	अप्रैल - मई 2024	जून 2024	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	**22**	13	**35**	**2**	0	**2**
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	**19**	6	**25**	**0**	1	**1**
ध्रुवीय विज्ञान	**9**	5	**14**	**0**	0	**0**
भूविज्ञान एवं संसाधन	**7**	4	**11**	**1**	3	**4**
कुल	**57**	**28**	**85**	**3**	**4**	**7**

पेटेन्ट: 1

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

जलपोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	18	12	1
सागर मंजूषा	20	10	3
सागर तारा	16	14	4
सागर अन्वेषिका	15	15	2
सागर कन्या	0	30	0
सागर सम्पदा	15	15	1

अनुलग्नक II

एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: 8 जुलाई, 2024

प्रमाण पत्र

(माह जून 2024 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति जून,2024 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-11
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-01
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-01**

(धरकत आर लुइकेंग)
उप सचिव
dharkat@nic.in

** मंत्रिमण्डलीय नियुक्ति समिति ने अपने पत्र क्रमांक 22/7/2019-EO(SM.II) दिनांकित 24.06.2024 के माध्यम से डॉ. मृत्युंजय महापात्रा का महानिदेशक, मौसम विज्ञान, आईएमडी के रूप में कार्यकाल का विस्तार 31.07.2024 से आगे उनकी अधिवर्षिता की तारीख अर्थात 31.08.2025 तक या अगला आदेश जारी किए जाने, इसमें से जो भी पहले हो, तक अनुमोदित किया है।